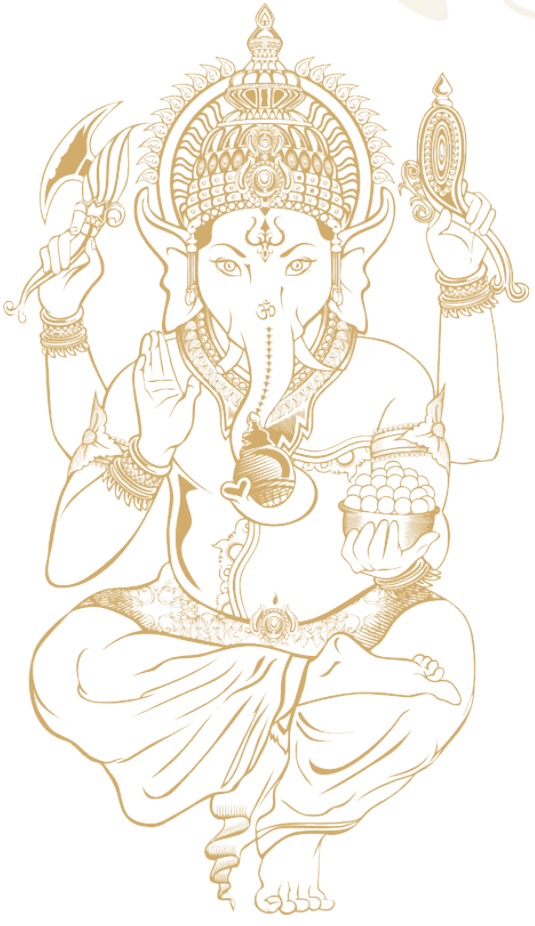

Aniket awade

10 Apr 1999

10:59 AM

Durg

Model: web-freekundliweb

Order No: 121758102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/04/1999**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**10:59:00 घंटे**
इष्ट	12:50:33 घटी
स्थान	**Durg**
राज्य	Chhattisgarh
देश	India

अक्षांश	21:12:00 उत्तर
रेखांश	81:20:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:54:20 घंटे
वेलान्तर	-00:01:28 घंटे
साम्पातिक काल	00:06:23 घंटे
सूर्योदय	05:50:46 घंटे
सूर्यास्त	18:21:53 घंटे
दिनमान	12:31:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	26:03:47 मीन
लग्न के अंश	16:21:02 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:21:02	322:28:31	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	26:03:47	00:58:56	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	08:49:45	12:40:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल	व		तुला	15:08:42	00:16:43	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध			कुंभ	29:37:32	00:37:34	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु		अ	मीन	19:23:58	00:14:28	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	03:25:16	01:10:42	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	स्वराशि
शनि			मेष	10:43:18	00:07:31	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			कर्क	26:22:35	00:01:06	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			मक	26:22:35	00:01:06	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:14:45	00:01:58	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
नेप			मक	10:19:45	00:00:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	16:26:54	00:00:52	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	07:53:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:37

लग्न-चलित

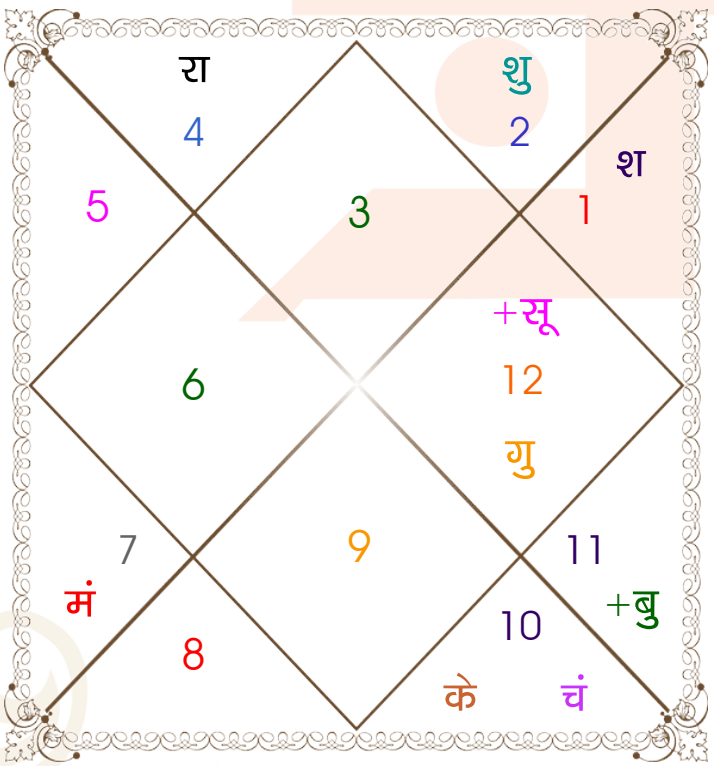

चन्द्र कुंडली

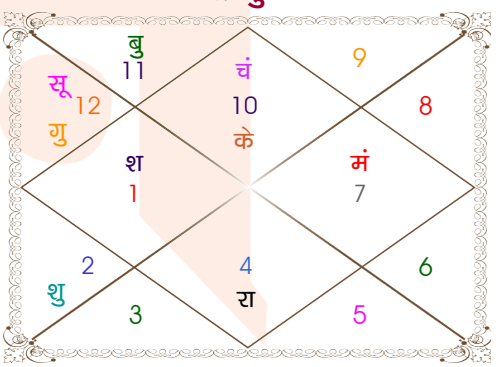

नवमांश कुंडली

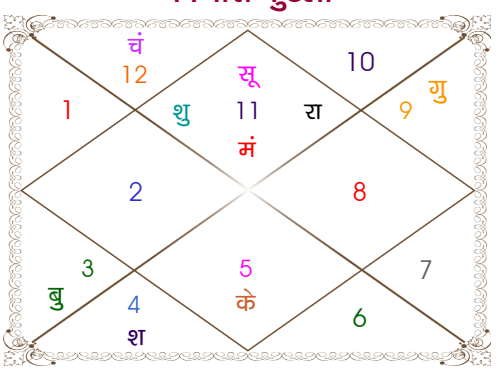

Astrology and Vastu Solutions
433, Karsan Chamber, Devendra nagar, Raipur, Chhattisgarh.
8109680205
Vibhaasharma.av@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 6 मास 9 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/04/1999		19/10/1999		19/10/2009		19/10/2016		19/10/2034	
19/10/1999		19/10/2009		19/10/2016		19/10/2034		19/10/2050	
	00/00/0000	चंद्र	19/08/2000	मंगल	17/03/2010	राहु	02/07/2019	गुरु	06/12/2036
	00/00/0000	मंगल	20/03/2001	राहु	05/04/2011	गुरु	24/11/2021	शनि	20/06/2039
	00/00/0000	राहु	19/09/2002	गुरु	10/03/2012	शनि	30/09/2024	बुध	25/09/2041
	00/00/0000	गुरु	19/01/2004	शनि	19/04/2013	बुध	20/04/2027	केतु	31/08/2042
	00/00/0000	शनि	19/08/2005	बुध	16/04/2014	केतु	07/05/2028	शुक्र	01/05/2045
	00/00/0000	बुध	18/01/2007	केतु	13/09/2014	शुक्र	08/05/2031	सूर्य	18/02/2046
	00/00/0000	केतु	20/08/2007	शुक्र	13/11/2015	सूर्य	01/04/2032	चंद्र	20/06/2047
	10/04/1999	शुक्र	19/04/2009	सूर्य	20/03/2016	चंद्र	01/10/2033	मंगल	26/05/2048
शुक्र	19/10/1999	सूर्य	19/10/2009	चंद्र	19/10/2016	मंगल	19/10/2034	राहु	19/10/2050

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/10/2050		19/10/2069		19/10/2086		19/10/2093		20/10/2113	
19/10/2069		19/10/2086		19/10/2093		20/10/2113		11/04/2119	
शनि	22/10/2053	बुध	17/03/2072	केतु	17/03/2087	शुक्र	17/02/2097	सूर्य	06/02/2114
बुध	01/07/2056	केतु	14/03/2073	शुक्र	16/05/2088	सूर्य	18/02/2098	चंद्र	08/08/2114
केतु	10/08/2057	शुक्र	13/01/2076	सूर्य	21/09/2088	चंद्र	19/10/2099	मंगल	14/12/2114
शुक्र	10/10/2060	सूर्य	18/11/2076	चंद्र	22/04/2089	मंगल	20/12/2100	राहु	08/11/2115
सूर्य	22/09/2061	चंद्र	20/04/2078	मंगल	18/09/2089	राहु	20/12/2103	गुरु	26/08/2116
चंद्र	23/04/2063	मंगल	17/04/2079	राहु	07/10/2090	गुरु	20/08/2106	शनि	08/08/2117
मंगल	01/06/2064	राहु	03/11/2081	गुरु	13/09/2091	शनि	20/10/2109	बुध	14/06/2118
राहु	08/04/2067	गुरु	09/02/2084	शनि	22/10/2092	बुध	20/08/2112	केतु	20/10/2118
गुरु	19/10/2069	शनि	19/10/2086	बुध	19/10/2093	केतु	20/10/2113	शुक्र	11/04/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 6 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।